THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD **Ph.D(Hindi) -2024 Batch** **I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION**	
Course title	शोध प्रविधि और प्रक्रिया Shodh Pravidhi Aur Prakriya
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : 1 PHDHINRMC-700
Semester	I
Number of credits	100 marks
Maximum intake	-------
Day/Time	Thursday / 2.00 pm to 4.000 pm
Name of the teacher/s	Prof. T.J. Rekha Rani (RR)
Course description	**Include the following in the course description** a) शोध की उत्पत्ति 'जिज्ञासा' से होती है , जिज्ञासा की पूर्ति का स्रोत ज्ञान विज्ञान रहा है-, अनुसंधान इसका एक मात्र मार्ग है। **b) उद्देश्य :** ● जीवन की समस्याओं के लिए समाधान प्रस्तुत करना। ● बेहतर जीवन जीने की दिशा में पथ प्रदर्शन करना शोध का उद्देश्य है। ● नवीन खोज करने की प्रक्रिया है। ● नए और रचनात्मक परिणामों तक पहुंचना। ● अज्ञात का पता लगाना और नई संभावनाओं को खोजना शोध का मुख्य उद्देश्य है। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● शोध पूर्वाग्रहों के निदान और निवारण में सहायक होता है। ● शोध प्रविधि,एक वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रविधि होती है जो अनुसंधान के लिए उपयोग मानी जाती है। ● शोध प्रक्रिया और शोध समस्या का स्वरूप स्पष्ट हो जाता है, शोध के निष्कर्ष तक पहुँच सकते है। **इकाई -1** ● शोध अर्थ परिभाषा और स्वरूप ,। ● शोध और आलोचना अन्तर्संबंध -। साम्य और वैषम्य। ● शुद्ध शोध और व्यावहारिक शोध अनुप्रयोगिक शोध/। ● शोध के प्रकार वैज्ञानिक साहित्येतर शोध ,साहित्यिक ,। साम्य और वैषम्य। **इकाई -2** ● शोध के मूल तत्व। शोध के सोपान। विभिन्न विद्वानों के मत। ● साहित्यिक शोध के प्रकार एवं व्याख्या।

	• शोध की प्रक्रिया विषय निर्वाचन विषय के स्रोत। विषय ,समस्या का अनुकथन , चयन में निर्देशक की भूमिका। • प्राक्कथन अथवा प्राक्कल्पना। **इकाई -3** • सामग्री संकलन। सामग्री चयन। समाग्री के प्रकार। सामग्री के स्रोत। • सामाग्री का वर्गीकरण। • कार्ड निर्माण। • शोध प्रबंध प्रस्तुतीकरण। शोध प्रबंध नियोजन। अध्यायीकरण। • भूमिका और निष्कर्ष लेखन। ग्रंथानुक्रमणिका। पाद टिप्पणी लेखन। **इकाई -4** • भाषा वैज्ञानिक शोध ,तुलनात्मक शोध ,ऐतिहासिक शोध ,पाठानुसंधान , • साहित्यिक शोध में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning • शोध अर्थ परिभाषा और स्वरूप ,। • सामग्री संकलन। सामग्री चयन। समाग्री के प्रकार। सामग्री के स्रोत। • साहित्यिक शोध में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : **संदर्भ ग्रंथ** • साहित्यिक अनुसंधान के आयाम : डॉ रवींद्र कुमार जैन.। • साहित्यिक शोध के आयाम : डॉ .शशिभूषण सिंहल। • अनुसंधान : डॉसत्येंद्.र । Additional reading : **संदर्भ ग्रंथ** • अनुसंधान का विवेचन : डॉ. उदयभानु सिंह • अनुसंधान के मूल तत्व : सं डॉ. विश्वनाथ प्रसाद केमं.एम .शी पी। • शोध तंत्र और सिद्धांत : डॉ .शैलकुमारी। • साहित्यक शोध के सिद्धांत : डॉ. देवराज उपाध्याय। • शोध प्रविधि और प्रक्रिया : डॉ. राजकुमार खण्डेलवाल। • अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया : एस .एन.गणेशन। • हिंदी अनुसंधान वैज्ञानिक पद्धतियाँ : डॉ .कैलाशनाथ मिश्र।

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

Ph.D(Hindi) -2024 Batch

I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ** **Saahityaik Adhyayan Ke Dirshtiyan**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : 2 PHDHINRCC-701
Semester	I
Number of credits	100 marks
Maximum intake	-------
Day/Time	Monday to Friday 9.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila (PD)
Course description	**Include the following in the course description** a) साहित्यिक प्रवृत्तियों, ऐतिहासिकताओं और संवेदनाओं के बदलावों को साहित्य के द्वारा समझाना ही इस प्रश्नपत्र का प्रमुख ध्येय है। **b) उद्देश्य :** • साहित्येतिहास दर्शन सामान्य इतिहास दर्शन के समानान्तर होता है । ऐतिहासिक कार्यों को जानने में मदद मिलती है । • साहित्य के इतिहास लेखन में अतीत को ठीक से परखने और समझने के लिए वर्तमान की सही समझ पैदा करना । • साहित्य के इतिहास में कृतियों का मूल्यांकन कर पाएंगे तथा साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ को विकसित करना । **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** • साहित्य दर्शन की प्रमुख विशेषताओं से परिचित होगें । • साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का ठोस समाधान निकाल पायेगें । • साहित्येतिहास लेखन में उस सामाजिक संदर्भ का ध्यान रखना जिनमें साहित्य का प्रादुर्भूत हो पाया है । • नए विचारों, वाद, आंदोलन आदि को समझने की क्षमता बढेगी । **इकाई -1** • हिंदी शोध का इतिहास • इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन पद्धति • साहित्य में इतिहास दृष्टि **इकाई -2** • शोध साहित्येंतिहास लेखन के विभिन्न सिद्धांत: विधेयवाद मार्क्सवाद और , संरचनावाद

	• हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्या और विभिन्न दृष्टियाँ • काल विभाजन का आधार **इकाई -3** • साहित्यिक प्रवृत्तियाँ का अंतर्संबंध • सामाजिक परिवेश एवं सांस्कृतिक संदर्भ • साहित्यिक इतिहास और आलोचना का परस्पर संबंध **इकाई -4** • उत्तर आधुनिकतावादनव्य इतिहासवाद , • साहित्येतिहास के दलित एवं नारीवादी परिप्रेक्ष्य
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning • हिंदी शोध का इतिहास • काल विभाजन का आधार • साहित्यिक प्रवृत्तियाँ का अंतर्संबंध • उत्तर आधुनिकतावादनव्य इतिहासवाद ,
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : **संदर्भ ग्रंथ** • साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय • साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय • साहित्य का इतिहास – दर्शन : श्री नलिन विलोचन शर्मा Additional reading : **संदर्भ ग्रंथ** • हिंदी साहित्य का इतिहास - दर्शन : आनंदनारायण शर्मा • इतिहास क्या है : ईकार.एच. • भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : रामविलास शर्मा • आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध : नित्यानंद तिवारी • साहित्य का समाजशास्त्र : डॉनरेंद्र . • (.सं)साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन : निर्मला जैन • हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे • हिंदी साहित्य के इतिहास ग्रंथ : आचार्य रामचंद्र शुक्ल , आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामस्वरूप चतुर्वेदी और बच्चन सिंह

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD **Ph.D(Hindi) -2024 Batch** **I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION**	
Course title	**भाषा और साहित्य के विविध आयाम** **Bhasha Saahitya ke Vivedh Aayaam**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course without changes
Course code	PAPER : 3 PHDHINRCC-702
Semester	I
Number of credits	100 marks
Maximum intake	-------
Day/Time	Monday to Friday 9.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	All Supervisors of the Department
Course description	**Include the following in the course description** a) इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत भाषा और हिंदी साहित्यकार /कवि) लेखक/ कथाकार/ आलोचक/ नाटककार/ पत्रकार (के विविध आयामों का अध्ययन अपेक्षित है । **b) उद्देश्य :** ● शोधार्थी अपनी रूचि के अनुसार किसी साहित्यकार को पढ़ेगा । ● साहित्यकार के योगदान को समझ पायेगा । ● साहित्यिक विधाओं के स्वरूप को समझेंगे। ● साहित्यकारों की प्रासंगिकता पर विचार विमर्श हो-सकेगा । **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● अपने पंसदीदा साहित्यकार को गहराई से जानने का मौका मिलेगा । ● साहित्यकार के साहित्यिक योगदान को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समझने का अवसर प्राप्त होगा । ● रूचिकर साहित्यकार के अध्ययन से शोध कार्य करने में आसानी होगी-। शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया के आधार पर साहित्यकार को समझने में सहयता मिलेगी । **निम्नलिखित विषयों में से कोई एक** (क) मध्यकालीन चिंतन, साहित्य और साहित्यकार (ख) आधुनिक चिंतन, साहित्य और साहित्यकार (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा (घ) संचार माध्यम और अनुवाद **(क) मध्यकालीन चिंतन, साहित्य और साहित्यकार** ● मध्यकाल: समय, समाज और संस्कृति

	- मध्यकालीन काव्यभाषा - भक्तिकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य - भक्तिकाव्य और लोक जागरण - भक्ति आंदोलन और हिंदी- प्रदेश - रीतिकाल ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्ठभूमि दरबारी संस्कृति और रीतिकालीन काव्य - श्रृंगार का समाजशास्त्र और रीतिकालीन श्रृंगार-काव्य - रीतिकाल और मूल्य-बोध - रीतिकालीन कवियों की सौंदर्य-दृष्टि - रीतिकालीन काव्यशास्त्र परम्परा और विमर्श **(ख) आधुनिक चिंतन, साहित्य और साहित्यकार** - भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवजागरण। - आधुनिकता, आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, समकालीनता । - गाँधीवाद सत्य, अहिंसा और स्वराज, गाँधीवाद और हिंदी साहित्य। - अस्तित्ववाद और मनोविश्लेषणवाद। - मार्क्सवादी साहित्य चिंतन आधार, साहित्य की सापेक्ष स्वायत्तता, अंतर्वस्तु और रूप का संबंध, साहित्य और यथार्थ। - अस्मितामूलक विमर्श-स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श और अन्य विमर्श : समस्याएं एवं सरोकार। - अन्य अवधारणाएँ मानववाद, राष्ट्रवाद, प्राच्यवाद, विखंडनवाद, संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, नव्य इतिहासवाद आदि। **(ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा** - भारत के भाषा-परिवार - सस्यूर के भाषिक प्रतीक - ब्लूमफील्ड और संरचनात्मक भाषाविज्ञान - चॉम्स्की का भाषा-चिंतन - समाज और भाषा समाज :भाषा विज्ञान बनाम भाषा का समाजशास्त्र - पिजिन और क्रियोल - भाषा शिक्षण और भाषा - हिंदी का जनपदीय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ - हिंदी और मानकीकरण के संदर्भ - हिंदी और आधुनिकीकरण

	• हिंदी का समाजभाषिक संदर्भ **(घ) : संचार माध्यम और अनुवाद** • विकासमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी • संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी • विखंडनमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी • चिह्नशास्त्रीय माध्यम अध्ययन की सैद्धांतिकी • ऐतिहासिक द्वंद्वात्मक एवं भौतिकवाद • स्त्रीवादी अध्ययन की सैद्धांतिकी • सांस्कृतिक अध्ययन की सैद्धांतिकी • स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता • लोकतंत्र और मीडिया • सोशल मीडिया और हिंदी जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की भूमिका
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning • मध्यकालीन चिंतन, साहित्य और साहित्यकार • मध्यकालीन काव्यभाषा • भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवजागरण। • विकासमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी • संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
Evaluation scheme	Assignment 50 %, Presentation and Viva 50%
Reading list	Essential reading : **संदर्भ ग्रंथ** • हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल • हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी • भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास : रामविलास शर्मा • महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा • हिंदी भाषा का समाजशास्त्र : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव • मीडिया एण्ड मॉडर्निटी (1988) : जॉन बीथॉम्पसन . (पॉलिटी प्रेस) • 2. टेलीविजन : रेमण्ड विलियम्स Additional reading : **संदर्भ ग्रंथ** • दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह • हिंदी साहित्य का अतीत -भाग 1-2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

	• राधावल्लभ सम्प्रदाय सिद्धांत और साहित्य : विजयेन्द्र स्नातक • मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्य-चेतना : डॉ. पूरनचंद टण्डन • कृष्ण काव्य में लीला वर्णन : जगदीश भारद्वाज • भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय • भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर • भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : सं. गोपेश्वर सिंह • रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र • सबाल्टर्न स्टडीज : रंजीत गुहा • मध्यकालीन भारत एक आयाम : सं हरबंस मुखिया • भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन • मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी • लोकजागरण और हिंदी साहित्य : रामविलास शर्मा • रीतिकालीन रीतिकवियों का काव्य शिल्प : महेन्द्र कुमार • हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल : महेन्द्र कुमार • आधुनिक भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी • भाषा (हिंदी अनुवाद) : ब्लूमफील्ड • भाषा और समाज : रामविलास शर्मा • हिंदी भाषा इतिहास और स्वरूप : राजमणि शर्मा • हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव • आधुनिक भाषाविज्ञान : कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय • भाषाई अस्मिता और हिंदी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव • ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा : रामविलास शर्मा • आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा • भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा • आजीविका साधक हिंदी : डॉ. पूरनचंद टण्डन • हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. पूरनचंद टण्डन • ब्रॉडकॉस्टिंग इंडिया : पी.सी. चटर्जी • जनमाध्यम प्रोद्यौगिकी और विचारधारा : जगदीश्वर चतुर्वेदी • जनमाध्यम सैद्धांतिकी : सुधा सिंह • भूमंडलीकरण और मीडिया : कुमुद शर्मा • नया सिनेमा : विनोद भारद्वाज • दूरदर्शन विकास से बाजार तक : सुधीश पचौरी

	• हिंदी पत्रकारिता और साहित्य : क्षमा शर्मा • जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य : जवरीमल्ल पारख • संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स (अनु.) • सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा : सुभाष धूलिया • संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पूरनचंद्र जोशी • अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार, गोस्वामी (सं.) • अनुवाद : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेन्द्र (सं.) • अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा : सुरेश कुमार • अनुवाद के विविध आयाम : डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. हरीश सेठी • 18. अनुवाद शतक (भाग 1.2) : डॉ. पूरनचंद टंडन